

7-8-24

यत्रावली पेशा हुई वकीलवादी उपस्थित नहीं
प्रकरण के मूलवाद अदम हाजरी अदम पैरवी
में खारिज किया जा चुका है। ऐसी स्थिति में यह
प्रा.पत्र अ-धा. 212 R.T.A का मूलवाद के अभाव
में खारिज किया जाता है यत्रावली वास्तव में
शुमार होकर नम्बर से कम हो।

५